



हुगली (पश्चिम बंगाल) में पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में बच्चों के पोलियो ड्रॉप्स की जगह गलती से हेपेटाइटिस बी के टीके की दवा पलिया देने से बीमार हुए कम से कम 114 बच्चों के अस्पताल में भरती कराया गया है।

इस गंभीर त्रुटि के लिए छह लोगों के निलंबित कर दिया गया। घटना के बाद गुस्साग्रामीणों ने स्वास्थ्य कर्मियों के बंधक बनाकर वरिष्ठ प्रदर्शन किया।

आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि क्ल पल्स पोलियो द्रव के मौके पर माता-पिता अपने बच्चों के आरामबाग उपखंड के तहत आने वाले खालुल गांव में पोलियो बूथ पर लेकर गए।

सूत्रों ने कहा कि क अभावक ने गौर किया कि खालुल गांव में पोलियो बूथ पर स्वास्थ्य कर्यकर्ता पोलियो ड्रॉप की जगह हेपेटाइटिस बी के टीके की दवा पलिया रहे थे। अभावक ने इस बात की सूचना तुरंत स्वास्थ्य कर्मियों और गांव वालों को दी।

तब तक 114 बच्चों के हेपेटाइटिस बी टीके की दवा पलिया जा चुकी थी।

गुस्साग्रामीणों ने स्वास्थ्य कर्मियों और उन्हें शांत कराने आ स्थानीय ब्लॉक वकिस अधिकारी और आरामबाग के उपखंडीय अधिकारी के बंधक बना लिया। पोलियो ड्रॉप्स की जगह जिन 114 बच्चों के हेपेटाइटिस बी के टीके की दवा पलियाई गई थी, उन सभी बच्चों के आरामबाग उपखंडीय अस्पताल में भरती कराया गया है।

आरामबाग उपखंडीय अस्पताल के अधीक्षक नरिमल्यारे ने कहा कि हेपेटाइटिस बी के टीके बच्चों के कोई नुकसान नहीं पहुंचागा।

हेपेटाइटिस बी की दवा जहां टीके के जरूर शरीर में पहुंचाई जाती वहीं पोलियो ड्रॉप्स मुख से पलियाई जाती है।

रे ने यह भी कहा कि अधिकतर बच्चों के अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है। उन्हें इसलिये भरती किया गया था ताकि उन्हें नगरानी में रखा जा सके।

हुगली के जिला मजिस्ट्रेट मनमोहन नंदा ने कहा कि इस संदर्भ में छह लोगों के निलंबित कर दिया गया है। इन लोगों में से पांच स्वास्थ्य कर्मी हैं और एक आंगनवाणी कर्यकर्ता है।

(भाषा)